# हिन्दी

## (दूर्वा)(पाठ 4)(सोहनलाल द्विवेदी– ओस)
## (कक्षा 8)

*अभ्यास*

### 1. कविता से

**क:**

कविता में रतन किसे कहा गया है और वे कहाँ–कहाँ बिखरे हुए हैं ?

**क:**

कविता में रतन ओस की बूँदों को कहा गया है , जो कि घास फूलों और पत्तों पर बिखरी हुई है ।

**ख:**

ओस कणों को देखकर कवि का मन क्या करना चाहता है?

**ख:**

कवि का मन करता है कि वह इन ओस की बूँदों को अंजलि में भरकर अपने घर ले आए और उन्हें निहारते हुए उन पर कविता लिखे ।

### 10. रूप बदलकर

चमक – चमकना – चमकाना – चमकवाना

'चमक' शब्द के कुछ रूप ऊपर लिखे हैं। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों का रूप बदलकर सही जगह पर भरो–

दमक, सरक, बिखर, बन

**प्रश्न क:**

जरा सा रगड़ते ही हीरे ने ..... शुरू कर दिया।

**उत्तर क:**

दमकना

**प्रश्न ख:**

तुम यह कमीज किस दर्जी से ..... चाहते हो?

**उत्तर ख:**

बनवाना

**प्रश्न ग:**

साँप ने धीरे–धीरे ..... शुरू कर दिया।

**उत्तर ग:**

सरकना

**प्रश्न घः**

लकी को मूर्ख ..... तो बहुत आसान है।

**उत्तर घः**

बनाना

**प्रश्न डः**

तुमने अब खिलौने ..... बंद कर दिए?

**उत्तर ड**

बनाने